हिमाचल के 7 राजकीय आईटीआई में सीआईटीएस पाठयक्रम होंगे आरंभ

हिमाचल के 7 राजकीय आईटीआई में सत्र 2022-23 से सीआईटीएस (क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग स्कीम) पाठयक्रम आरंभ किए जा रहे हैं । वर्तमान में केवल सरकारी क्षेत्र में शिमला में महिलाओं के लिए एक एनएसटीआई तथा निजी क्षेत्र में प्रागपुर में इलेक्ट्रीशियन के लिए एक सीआईटीएस संस्थान हैं । अब 7 राजकीय आईटीआई में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण संस्थान (आईटीओटी) खोलने को मंजूरी मिल गई है।

हिमाचल प्रदेश के युवाओं को घरद्वार के समीप के संस्थानों में प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य की मौजूदा आईटीआई में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण संस्थान खोलने को लेकर केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, प्रशिक्षण महानिदेशालय को प्रस्ताव भेजा था, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के 7 सरकारी आईटीआई में आईटीओटी शुरू करने की अनुमति प्राप्त हो गयी है । इन व्यवसायों को सत्र 2022-23 में सीआईटीएस में प्रवेश विवरण पुस्तिका में शामिल किया गया है । जिसमें राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शाहपुर में ड्राफ्ट्समैन सिविल, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पपलोग में मैकेनिक मोटर व्हीकल, राजकीय मॉडल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नालागढ़ में टर्नर, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मंडी में इलेक्ट्रीशियन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, शमशी में फिटर, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान डाडासिबा में वेल्डर तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बिलासपुर में कम्प्यूटर सॉफ्टेयर असिस्टेंट की 25-25 सीटें सम्मिलित हैं ।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, प्रशिक्षण महानिदेशालय ने आईटीआई में सभी ट्रेड इंस्ट्रक्टर और मैथ एंड ड्राइंग इंस्ट्रक्टर आदि की नियुक्ति के लिए क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग स्कीम में पद योग्यता हासिल करना अनिवार्य कर दिया है ।

सीआईटीएस पाठयक्रम राजकीय और निजी स्कूलों में पीजीटी/टीजीटी की नियुक्ति के लिए शिक्षा विभाग में बीएड की तर्ज पर है । शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना में, प्रशिक्षण कार्यक्रम की संरचना इस तरह से डिजाईन की गयी है कि प्रशिक्षक प्रशिक्षुओं को कौशल और प्रशिक्षण पद्वति दोनों में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए ताकि वे उद्योगों हेतु कुशल जनशक्ति को प्रशिक्षित करने के लिए व्यावहारिक कौशल को स्थानांतरित करने की तकनीकों से परिचित हो सकें। शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना कार्यक्रम के तहत पात्र उम्मीदवार वे हैं, जिनके पास राष्ट्रीय व्यावासायिक प्रमाण पत्र/राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/डिग्री योग्यता है ।

डीजीटी केंद्रीकृत परामर्श के माध्यम से शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए अखिल भारतीय सामान्य प्रवेश परीक्षा आयोजित कर रहा है । अखिल भारतीय सामान्य प्रवेश परीक्षा में भाग लेने के इच्छुक उम्मीदवार अपने आवेदन ऑनलाईन माध्यम वैबसाइट https://nimionlineadmission.in से भर सकते हैं । ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया 6 जून से आरंभ होकर 25 जून तक जारी रहेगी।

News Clips:-

प्रदेश को मिले सात सीआइटीएस संस्थान प्रशिक्षण के लिए नहीं जाना होगा बाहर

अखिल भारतीय स्तर पर होने वाली सामान्य प्रवेश परीक्षा से मिलेगा दाखिला

जागरण संवाददाता, मंडी : हिमाचल के युवाओं को अब शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना (सीआइटीएस) के लिए अन्य राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। अब हिमाचल में एक वर्षीय प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। केंद्र ने हिमाचल को सात शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना संस्थानों की सौगात दी है। इनमें 175 सीटें होंगी। हर संस्थान में 25-25 सीटें होंगी।

इस साल से पहला बैच शुरू होगा। प्रवेश अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित होने वाली सामान्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश मिलेगा। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, प्रशिक्षण महानिदेशालय ने आइटीआइ में सभी ट्रेड इंस्ट्रक्टर और मैथ एंड ड्राइंग इंस्ट्रक्टर आदि के लिए इंस्ट्रक्टर की नियुक्ति के लिए सीआइटीएस में पद योग्यता हासिल करना अनिवार्य कर दिया है। सीआइटीएस पाठ्यक्रम राजकीय और निजी स्कूलों में पीजीटी व टीजीटी की नियुक्ति के लिए शिक्षा विभाग में बीएड की तर्ज पर है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की संरचना इस तरह से बनाई गई है कि प्रशिक्षक प्रशिक्षुओं को कौशल और प्रशिक्षण पद्धति दोनों में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करेगा ताकि वह उद्योगों के लिए कुशल जनशक्ति को प्रशिक्षित करने के लिए व्यावहारिक कौशल को स्थानांतरित करने की तकनीकों से परिचित हो सकें।

- सीआइटीएस के बिना अब आइटीआइ में नहीं लग पाएंगे इंस्ट्रक्टर
- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय व प्रशिक्षण महानिदेशालय का निर्णय

डिप्लोमा व डिग्री धारक प्रशिक्षण के पात्र

शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना कार्यक्रम के लिए वही अभ्यर्थी पात्र होंगे, जिनके पास राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रमाणपत्र, राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाणपत्र, डिप्लोमा व डिग्री होगा। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर प्रशिक्षु को केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त एनसीवीटी द्वारा शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

यहां कर सकते हैं काम

सीआइटीएस योजना में प्रशिक्षित उम्मीदवार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में अनुदेशक के रूप में कार्य कर सकते हैं और कुशल कौशल प्रशिक्षण दे सकते हैं। एक प्रमाणित अनुदेशक के रूप में किसी भी कौशल विकास अल्पकालिक व दीर्घकालिक योजना के तहत प्रशिक्षण दे सकता है। उद्योगों में प्रशिक्षण समन्वयक के रूप में कार्य कर सकते है। व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में वैश्विक प्रशिक्षण के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

कहां मिले आइटीओटी संस्थान

आइटीओटी का नाम	परिसर	व्यवसाय का नाम	कुल सीटें
राजकीय आइटीओटी शाहपुर (कांगड़ा)	आइटीआइ शाहपुर	ड्राफ्ट्समैन सिविल	25
राजकीय आइटीओटी पपलोग (मंडी)	आइटीआइ पपलोग	मैकेनिक मोटर व्हीकल	25
माडल आइटीओटी नालागढ़ (सोलन)	राजकीय माडल आइटीआइ नालागढ़	टर्नर	25
राजकीय आइटीओटी (मंडी)	आइटीआइ मंडी	इलेक्ट्रिशियन	25
राजकीय आइटीओटी शमशी (कुल्लू)	आइटीआइ शमशी	फिटर	25
राजकीय आइटीओटी डाडासीबा (कांगड़ा)	आइटीआइ डाडासीबा	वेल्डर	25
राजकीय आइटीओटी बिलासपुर	आइटीआइ बिलासपुर	कंप्यूटर साफ्टवेयर सहायक	25

सरकारी क्षेत्र में प्रदेश में महिलाओं के लिए था एकमात्र संस्थान

सीआइटीएस प्रशिक्षण राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादातर राज्य से बाहर आयोजित संस्थानों में होता है। वर्तमान में शिमला में महिलाओं के लिए राज्य में केवल एक एनएसटीआइ और निजी क्षेत्र के अंतर्गत परागपुर में इलेक्ट्रिशियन के लिए एक सीआइटीएस संस्थान है। प्रदेश सरकार ने मामला केंद्र से उठाया था। तकनीकी शिक्षा मंत्री डा. रामलाल मार्कंडेय, सचिव तकनीकी शिक्षा अमिताभ अवस्थी ने प्रदेश की सात आइटीआइ में इंस्टीट्यूट फार ट्रेनिंग आफ ट्रेनर्स (आइटीओटी) शुरू करने पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

प्रदेश के युवाओं के लिए यह बड़ी सौगात है। अखिल भारतीय सामान्य प्रवेश परीक्षा में बैठने के लिए युवा 25 जून तक पंजीकरण करवा सकते हैं।

– विवेक चंदेल, निदेशक, तकनीकी शिक्षा।

7 ITIs get nod to train instructors

APPROVED CITS COURSES

Seats	Trade	Institute	District
25	Draughtsman civil	ITI, Shahpur,	Kangra
25	Mechanic Motor Vehicle	ITI, Paplog, Sarkaghat	Mandi
25	Turner	ITI Nalagarh	Solan
25	Electrician	ITI Mandi	Mandi
25	Fitter	ITI Shamshi	Kullu
25	Welder	ITI Dadasiba	Kangra
25	Computer Software Asst.	ITI Bilaspur	Bilaspur

MANDI, JUNE 7

Seven Industrial Training Institutes (ITIs) of the state have got the nod from the Union Ministry of Skill Development and Entrepreneurship's Directorate General of Training (DGT) to provide certificate of Craft Instructor Training Scheme (CITS) course.

Director of the state Technical Education Department Vivek Chandel said. "As of now, most students had to go outside the state for the CITS. There was only one National Skill Training Institute (NSTI) in the state for the women in Shimla and one CITS institute for electrician at Pragpur."

The department had submitted a proposal to the DGT for opening of the Institutes for Training of Trainers (IToT) in the existing ITIs of the state. As many as 175 seats for CITS courses have been approved in the seven ITIs. On successful completion of the CITS course in a year, the trainees are awarded the Craft Instructor Training Certificate by the National Council of Vocational Training.

Chandel said the DGT had made the qualification in CITS course mandatory for the appointment of instructors for all trades, including math and drawing, in the ITIs. "The CITS courses are on the analogy of BEd, which is needed for appointment as PGT or TGT teachers in schools. Under the CITS programme, the eligible candidates are those who possess either of the National Trade Certificate, the National Apprenticeship Certificate or the diploma/degree qualifications."

The admission to these courses will be through the All India Common Entrance Test conducted by the DGT. Online process for admission has started on June 6 and will continue till June 25. — TNS

सूबे की सात आईटीआई में अनुदेशक का कोर्स कर सकेंगे प्रशिक्षु

शाहपुर में ड्राफ्ट्समैन सिविल; मंडी में एमएमवी की लगेंगी कक्षाएं, पहले सीआईटीएस करने के लिए करना पड़ता था दूसरे राज्यों का रुख

संवाद न्यूज एजेंसी

धर्मशाला। सूबे की सात सरकारी आईटीआई में सात विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षु अब क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग कोर्स (सीआईटीएस) भी कर सकेंगे। हिमाचल में अब तक सरकारी क्षेत्र में शिमला में ही यह सुविधा महिला प्रशिक्षुओं के लिए है। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है।

आईटीआई में अभ्यर्थियों को अब ड्राफ्ट्समैन सिविल, मेकेनिकल मोटर व्हीकल, टर्नर, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर असिस्टेंट की 25-25 सीटों पर यह प्रशिक्षण दिया जाएगा।

वर्तमान में केंद्र सरकार के अंतर्गत शिमला में महिलाओं के लिए एक एनएसटीआई और निजी क्षेत्र के अंतर्गत प्रागपुर में इलेक्ट्रीशियन के लिए एक सीआईटीएस संस्थान था। भारत सरकार ने अब इस पाठ्यक्रम का विकेंद्रीकरण कर दिया है और राज्य

में सात सरकारी आईटीआई में अनुमोदित कर दिया है। भारत सरकार प्रशिक्षण महानिदेशालय ने इन व्यवसायों को सत्र 2022-23 में सीआईटीएस में प्रवेश दिया जाएगा, जिसके लिए 25 जून तक पंजीकरण किया जा सकेगा।

प्रदेश की इन आईटीआई में मिलेगी सुविधा

राजकीय आईटीआई शाहपुर में ड्राफ्ट्समैन सिविल, आईटीआई पपलोग मंडी में मेकेनिकल मोटर व्हीकल, मंडिल आईटीआई नालागढ़ (सोलन) में टर्नर, आईटीआई मंडी में इलेक्ट्रीशियन, आईटीआई शमशी (कुल्लू) में फिटर, आईटीआई डाडासीबा (कांगड़ा) में वेल्डर और आईटीआई बिलासपुर में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर असिस्टेंट की 25-25 सीटों पर सीआईटीएस का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रदेश सरकार और तकनीकी शिक्षा विभाग ने प्रदेश में सीआईटीएस की कक्षाएं शुरू करने के लिए प्रयास किए थे। इसके चलते अब प्रदेश की सात आईटीआई में सात विभिन्न ट्रेडों में यह प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

- विवेक चंदेल, निदेशक, तकनीकी शिक्षा विभाग।

ये कार्य कर सकते हैं सीआईटीएस योजना में प्रशिक्षित उम्मीदवार

प्रशिक्षित प्रशिक्षु औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में अनुदेशक के रूप में कार्य कर सकते हैं और कुशल कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक प्रमाणित अनुदेशक के रूप में वह किसी भी कौशल विकास अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजना में प्रशिक्षण प्रदान कर सकता है। श्रमिकों के लिए उद्योगों में प्रशिक्षण समन्वयक के रूप में कार्य कर सकते हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में वैकेक प्रशिक्षण के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।